This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2990**

Unique Paper Code : **2051203** **F-2**

Name of the Paper : **Hindi Upanyas (DC-1.4)**

Name of the Course : **Bachelor with Honours : Hindi**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'गोदान' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'गोदान' के आधार पर धनिया का चरित्र-चित्रण कीजिए। 14

2. '' 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' कथ्य एवं शिल्प, दोनों के लिहाज से एक अलग तरह का प्रयोगात्मक उपन्यास है।'' इस कथन पर विचार कीजिए।

अथवा

जमुना का चरित्र-चित्रण कीजिए। 14

P.T.O.

3. "माता-पिता के संबंधों की असहजता बंटी को समस्या-बालक बना देती है।" इस कथन के आलोक में बंटी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'आपका बंटी' की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 14

4. किन्हीं **दो** अंशों की सप्रसंग व्याख्या करते हुए इनके रचना कौशल पर विचार कीजिए।

(क) बिरादरी से पृथक् जीवन की वह कोई कल्पना ही न कर सकता था। शादी-ब्याह, मूँड़न-छेदन, जन्म-मरण सब कुछ बिरादरी के हाथ में है। बिरादरी उसके जीवन में वृक्ष की भाँति जड़ जमाए हुए थी और उसकी नसें उसके रोम-रोम में बिंधी हुई थीं। बिरादरी से निकलकर उसका जीवन विशृंखल हो जाएगा—तार-तार हो जाएगा।

(ख) हमारे वर्ग-विगलित, अनैतिक, भ्रष्ट और अंधेरे जीवन की गलियों में चलने से सूर्य का रथ काफ़ी टूट-फूट गया है और बेचारे घोड़ों की तो यह हालत है कि किसी की दुम कट गयी है तो किसी का पैर उखड़ गया है, तो कोई सूख कर ठठरी हो गया है, तो किसी के खुर घायल हैं। अब बचा है सिर्फ एक घोड़ा जिसके पंख अब भी साबित हैं, जो सीना ताने, गरदन उठाये आगे चल रहा है। वह घोड़ा है भविष्य का घोड़ा; तन्ना, जमुना और सत्ती के नन्हें निष्पाप बच्चों का घोड़ा·····।

(ग) सात वर्षों में विभागाध्यक्ष से प्रिंसिपल हो जाने के पीछे भी कहीं अपने को बढ़ाने से ज़्यादा अजय को गिराने की आकांक्षा ही थी। वह स्वयं कभी अपना लक्ष्य रही ही

नहीं। एक अदृश्य, अनजान-सी चुनौती थी जिसे उसने हर समय अपने सामने हवा में लटकता हुआ महसूस किया था और जैसे उसका मुकाबला करते-करते, उससे जूझते-जूझते ही वह आगे बढ़ती चली गयी थी।..... पर इतने पर भी जब सामने वाला नहीं टूटा तो उसकी सारी प्रगति उसके अपने लिए ही जैसे निरर्थक हो उठी थी। 9+9

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8+7

(क) 'गोदान' में चित्रित मुख्य समस्याएँ

(ख) आधुनिका के रूप में शकुन

(ग) तन्नी का चरित्र।